सर्व शिक्षा अभियान

सब पढ़ें सब बढ़ें

कुल्लू में राज्य स्तरीय बाल मेले की धूम

उमंग व उल्लास से भरे बच्चों ने दिखाए प्रतिभा के जौहर

प्रदेश भर के बच्चों के लिए यह एक स्वर्णिम अवसर होता है जब वे एक ओर विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी प्रतिभा को दिखाने का अवसर पाते है तो दूसरी ओर मस्ती के माहौल में आनन्द मनाते हैं। अभिभावक भी बच्चों का ऐसा सुन्दर प्रदर्शन देखकर अभिभूत होते हैं।

शिक्षा का उद्देश्य मात्र बच्चों को किताबी ज्ञान देना ही नहीं होता। पाठशाला में बच्चों को हर तरह की गतिविधियां करवाई जाती हैं जिनसे उनके शैक्षिक एवं सह-शैक्षिक दोनों पक्षों को विकसित किया जाता है। बच्चे इन गतिविधियों से क्या सीख पाते हैं इस की झलक बाल मेलों में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है।

राज्य स्तरीय बाल मेले में सभी जिलों से बच्चे बाल मेलों की एक शृंखला से गुजर कर आएहैं। वहां ये पहले संकुल स्तर पर, फिर खाण्ड स्तर पर और फिर जिला स्तर पर प्रतिस्पर्धाओं व गतिविधियों में विजयी होकर भाग लेने आए हैं। मेले के दौरान चाहे टी0एल0एम0 प्रदर्शनी हो, खेल गतिविधियां, भाषण, वाद-विवाद या प्रश्नोत्तरी सभी में बच्चों का भाग लेना एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। अब तक शिक्षा से वंचित रहे बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा में लाने के जो अथक प्रयास विभागीय स्तर पर चल रहे हैं उनकी ही परिणति है कि बच्चों की प्रतिभा राज्य स्तरीय बाल मेले में दिखाई दे रही है।

विशेष आवश्यकता रखने वाले अशक्त बच्चों ने भी बराबर अपनी भागीदारी दर्ज करवाई है। बालिका शिक्षा की दिशा में किये जा रहे प्रयासों की झलक भी मेले में नज़र आई। दूर-दराज़ क्षेत्रों से आई बालिकाएं अत्यन्त आत्म विश्वास के साथ अपनी प्रस्तुति सर्व शिक्षा अभियान की ओर से उन्हें दी जा रही जीवनोपयोगी शिक्षा की झलक भी उनके स्टॉल पर स्पष्ट रूप से देखी गई।

जैसे हमारे सांस्कृतिक मेले हमारी संस्कृति के परिचायक होते हैं, उसी प्रकार सर्व शिक्षा अभियान द्वारा प्रति वर्ष किये जा रहे इन आयोजनों में अभियान के तहत गुणात्मक शिक्षा के लिए किये जा रहे विभिन्न नवाचारी प्रयासों की झलक दृष्टिगोचर होती है। कोई भी व्यक्ति बाल मेले के इस आयोजन को देख कर अन्दाजा लगा सकता है कि हमारे स्कूलों में किस प्रकार की शिक्षा हम अपने नौनिहालों को दे रहे है।

बच्चे जब इस प्रकार अपने साथियों एवं अध्यापकों के साथ अपने स्कूल/शहर/जिला से बाहर आते हैं तो वहां जाने-अनजाने में बहुत कुछ नया सीखते हैं। उन्हें मात्र एक माध्यम प्रदान करना होता है ज्ञानार्जन उन्हें स्वत: ही हो जाता है। जब तक बच्चों को बाहरी माहौल में पर्याप्त अवसर नही मिलेंगे, उनके व्यक्तित्व का समुचित विकास सम्भव नही हो पायेगा। इस प्रकार के मेलों, प्रदर्शनियों और उत्सवों पर बच्चों की अधिकाधिक भागीदारी उन्हें नई आशा, नई उमंगों से भर देती है। जो कि उनके भावी जीवन की सफलता के लिए ज़रूरी हैं।

इस वर्ष मेले में एक और विशेषता रही है। 14 वर्ष से कम आयु वर्ग के उन छात्र-छात्राओं को भी यहां सम्मानित किया गया, जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर की खेल स्पर्धाओं में राज्य को गौरवान्वित किया है। इससे बच्चों को निस्संदेह भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलती है। साथ ही मेले में उपस्थित प्रतिभा संपन्न बच्चों के लिए भी वे प्रेरणास्रोत बनकर उभरे हैं।

टी.एल.एम. प्रदर्शनी : एक नज़र

मेले के मुख्य आकर्षण

- प्रदेश भर से आए लगभग 500 बच्चों ने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।
- मीना उत्सव विशेष आकर्षण रहा जिसमें लड़कियों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया।
- शिक्षण अधिगम सामग्री (टी.एल.एम.) प्रदर्शनी में बच्चों का उत्साह देखते ही बनता था।
- मेला परिसर में दो दिन तक विभिन्न गतिविधियां चलती रहीं और बच्चे खूब मस्ती में दिखे।
- बाल मेले की जानकारी लेने के लिए बाल रिपोर्टर्ज़ लगातार परिसर में विचरते व आगंतुकों से बातचीत करते रहे। माननीय शिक्षा मंत्री से अपने प्रश्नों के उत्तर पाकर इन बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे।
- 'प्रथम' एवं 'रूम टू रीड' गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा लगाए गए स्टॉल बच्चों के आकर्षण का केन्द्र रहे।
- मेले के प्रथम दिन बाल दिवस पर बच्चे देर रात तक पूरे उत्साह के साथ मंच से अपनी प्रस्तुतियां देते रहे। उन्होंने अवसर का भरपूर लाभ उठाया।
- बच्चों ने एक-दूसरे जिलों के स्टॉलों व गतिविधियों को विशेष रूप से जांचा-परखा।
- प्रतिस्पर्धात्मक प्रस्तुतियों के अलावा भी बच्चे मंच पर जाने को आतुर रहे और उन्होंने उपस्थित जनमानस से खूब वाहवाही लूटी।
- सामान्य जानकारी से संबंधित स्टॉल पर बच्चों ने प्रश्नोत्तरी का विशेष आनन्द लिया और खूब कूपन बटोरे।
- अपने मनपसंद खाद्य खरीदने के लिए बच्चों में अधिक से अधिक कूपन बटोरने की होड़ लगी रही। बच्चों ने हर एक गतिविधि में अपने हाथ आजमाए।
- मेले के उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक श्री खिमी राम भी संगीतमय माहौल में अपने कदम न रोक पाए। उन्होंने मेला परिसर में अपने साथ समस्त जनसमूह को थिरकने पर मजबूर कर दिया।
- मेले में बच्चों ने भिन्न-भिन्न प्रकार के झूलों का भरपूर आनन्द लिया।

ग्राम शिक्षा समिति सदस्य सम्मानित

सर्व शिक्षा अभियान के तहत स्कूली शिक्षा में जन समुदाय की भूमिका को विशेष रूप से अधिमान दिया गया है। बेहतर प्रदर्शन करने वाले स्कूलों में ग्राम शिक्षा समितियों की अत्यन्त महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है। शिक्षा क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले ग्राम शिक्षा समिति सदस्यों को बाल मेले के अवसर पर माननीय शिक्षा मंत्री श्री ईश्वर दास धीमान द्वारा विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

बाल मेला प्रतियोगिता परिणाम

वाद-विवाद प्रतियोगिता

प्रथम	यथार्थ श्रीवास्तव, शिमला
द्वितीय	मेघा शर्मा, मंडी
तृतीय	श्रेया, कांगड़ा

चित्रकला प्रतियोगिता

प्रथम	अंकुश, शिमला
द्वितीय	सन्नी देवी, कांगड़ा
तृतीय	नीना, कुल्लू

एक गायन प्रतियोगिता

प्रथम	हरीश, कुल्लू
द्वितीय	कार्तिक, सोलन
तृतीय	विकास, मंडी
	राजेश, कांगड़ा

समूह गान प्रतियोगिता

प्रथम	राकेश और साथी, मंडी
द्वितीय	नताशा और साथी, सोलन
तृतीय	निकिता और साथी, शिमला

मोनो एक्टिंग

प्रथम	प्रशांत, कुल्लू
द्वितीय	पूनम, कांगड़ा
तृतीय	घनश्याम, कुल्लू

जलेबी दौड़ प्रतियोगिता

प्रथम	देवराज, कुल्लू
द्वितीय	कर्ण, ऊना
तृतीय	बादल, बिलासपुर

म्यूजिकल चेयर

प्रथम	स्वीटी, कांगड़ा
	अरुण मेहता, सिरमौर (वीईसी)
द्वितीय	सविता, हमीरपुर
	रामप्यारी, बिलासपुर (वीईसी)
तृतीय	प्रशांत, कुल्लू
	चन्द्रावती, मंडी (वीईसी)

मटका फोड़ प्रतियोगिता

प्रथम	नितिका, हमीरपुर
द्वितीय	तनु बाला, शिमला
तृतीय	ज्योति शर्मा, बिलासपुर

नारा लेखन प्रतियोगिता

प्रथम	नेहा ठाकुर, हमीरपुर
द्वितीय	पंकज उरव, किन्नौर
तृतीय	अभिषेक ठाकुर, बिलासपुर

कविता पाठ प्रतियोगिता

प्रथम	तमन्ना, कांगड़ा
द्वितीय	शिवानी, सोलन
तृतीय	कंचन, ऊना

फेन्सी ड्रेस प्रतियोगिता

प्रथम	राहुल, सिरमौर
	भुवनेश, हमीरपुर
द्वितीय	श्रेया, कांगड़ा
तृतीय	मीनाक्षी, कांगड़ा

सामूहिक नृत्य प्रतियोगिता

प्रथम	जिला शिमला
द्वितीय	जिला मंडी
तृतीय	जिला सोलन

स्किट प्रतियोगिता

प्रथम	जिला कांगड़ा
द्वितीय	जिला हमीरपुर
तृतीय	जिला सोलन

एकल नृत्य प्रतियोगिता

प्रथम	विकास, मंडी
द्वितीय	शिवानी, बिलासपुर
तृतीय	कोमल, हमीरपुर
	विपाशा, मंडी

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

प्रथम	कृतिका व प्रियंका, ऊना
द्वितीय	अंकुश व रजनीश, कुल्लू
तृतीय	रोहित व अनिल, मंडी

स्पून रेस प्रतियोगिता

प्रथम	नेहा ठाकुर, हमीरपुर
द्वितीय	सुमन, शिमला
तृतीय	देवराज, कुल्लू

शिक्षा से चहुंमुखी विकास संभव

हिमाचल प्रदेश में इस वर्ष शिक्षा के प्रसार पर 2267 करोड़ रुपये की राशि खर्च की जा रही है। कुल्लू जिले के जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, जरड़ में 14-15 नवम्बर को आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय बाल मेला, मीना उत्सव एवं शिक्षण अधिगम सामग्री प्रदर्शनी के समापन समारोह में प्रदेश के शिक्षा मंत्री श्री ईश्वर दास धीमान ने लोगों को सम्बोधित करते हुए यह जानकारी दी।

श्री धीमान ने कहा कि इस वर्ष प्रदेश में सर्व शिक्षा अभियान के अंतर्गत 166 करोड़ रुपये की राशि खर्च कर पाठशालाओं में आधारभूत ढांचा उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पाठशालाओं में बच्चों को गुणात्मक शिक्षा प्रदान करने पर विशेष बल दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही चहुंमुखी विकास और मनुष्य के व्यवहार में परिवर्तन संभव हो पाया है जो कि बहुत ही कठिन कार्य है। मनुष्य में अनेक अच्छे गुण पैदा करना शिक्षा का एक अंग है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने विभिन्न क्षेत्रों में किए गए प्रगतिशील कार्यों के कारण ही सात सम्मान प्राप्त किए जिससे प्रदेश का सिर गर्व से ऊंचा हुआ है।

शिक्षा मंत्री श्री धीमान ने बच्चों का आह्वान किया कि वे वर्तमान में प्रतिस्पर्धा के युग में अधिक मेहनत करें तभी वे अपने जीवन में सफल हो पाएंगे। उन्होंने अध्यापकों का भी आह्वान किया कि वे शिक्षा को व्यावसायिक न समझें और वे इसे एक मिशन के रूप में समझें। मेले में स्थानीय बच्चों के अलावा प्रदेशभर से आए लगभग 500 बच्चों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। शिक्षा मंत्री ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभाशाली बच्चों को पुरस्कार वितरित किए। इससे पूर्व उन्होंने बाल मेला में शिक्षण अधिगम सामग्री प्रदर्शनी का भी निरीक्षण किया और बच्चों के प्रयासों को सराहा।

इस अवसर पर विधायक एवं राज्य भाजपा अध्यक्ष श्री खिमी राम, उपायुक्त श्री बी.एम. नांटा, पुलिस अधीक्षक श्री के.के. इंदौरिया, सर्व शिक्षा अभियान के राज्य परियोजना निदेशक श्री राजेश शर्मा, संयुक्त निदेशक, प्रारंभिक शिक्षा श्री चमन लाल अंगीरस, डाइट कुल्लू के प्रधानाचार्य श्री बी. डी. शर्मा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

नवाचारी

पाठकों से...

पाठकगण अपने जिला, खण्ड, संकुल या स्कूल में चल रही विभिन्न गतिविधियों के बारे में हमें सूचित करें। सर्व शिक्षा अभियान संबंधी यह पृष्ठ हर माह के अंतिम बुधवार को प्रकाशित किया जाता है। पाठकगण सर्व शिक्षा अभियान संबंधी किसी भी सुझाव व जानकारी के लिए निम्न पते पर सम्पर्क कर सकते हैं :-

राजेश शर्मा
राज्य परियोजना निदेशक,
राज्य परियोजना कार्यालय (सर्व शिक्षा अभियान),
डी.पी.ई.पी.भवन, लाल पानी, शिमला-171001

विभिन्न गतिविधियां : एक झलक

प्रस्तुति : ज्योति रावत